

सांवन सलोना ( १४३ )

आज मौसम सलोना सलोना रे  
दिन सलोना राति सलोना मौसम सलोना रे॥

सांवन आज सुहान आया दशों दिशा में आनंद छाया  
मेरे मन में छबि युगल की करती जादू टोना रे॥

प्रेम हिण्डोले में साईं झूलें प्रेम मगन हो मैया फूले  
रूप सुधा की वर्षा वर्षे भीज गए हींय भवना रे॥

काले पीले बादल छाए मानो प्रेम संदेशा लाए  
दामिनी दमक दमक हुलसाए मन का कोना कोना रे॥

रिम झिम रिम झिम बूंदें वरसें बोल पपीहा सुन हींय हर्षे  
जीअ भर पियूं युगल माधुरी भर भर नयननि दोना रे॥